

सिक्किम में भारत का प्रथम जैविक मत्स्य पालन क्लस्टर

स्रोत: TH

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने [प्रधानमंत्री मत्स्य समपदा योजना \(PMMSY\)](#) के अंतर्गत सिक्किम के सोरेंग ज़िले में भारत के प्रथम जैविक मत्स्यपालन क्लस्टर की शुरुआत की है।

- **जैविक मत्स्य पालन क्लस्टर:** इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के प्रतजिागरूक बाज़ारों के लिये एंटीबायोटिक, रसायन और कीटनाशक मुक्त जैविक मछली का उत्पादन करना है।
 - यह पहल **संधारणीय जलीय कृषि और पारस्थितिकी रूप से स्वस्थ मछली पालन प्रणाली** को प्रोत्साहित करती है तथा जलीय पारस्थितिकी तंत्र में होने वाले प्रदूषण तथा नुकसान से बचाती है।
 - **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)** आवश्यक मत्स्य पालन इंफ्रास्ट्रक्चर और क्षमता निर्माण के लिये वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान करने के अलावा, राज्य में मछुआरों की सहकारी समितियों को शामिल करके तथा **मत्स्य पालन आधारित किसान उत्पादक संगठनों (FFPO)** के गठन के माध्यम से जैविक क्लस्टर के विकास में सहायता करेगा।
- **सिक्किम एक जैविक राज्य:** सिक्किम भारत का पहला पूर्णतः जैविक राज्य बन गया है, जहाँ 75,000 हेक्टेयर भूमि को **राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम** के अंतर्गत प्रमाणित जैविक पद्धतियों में परिवर्तित कर दिया गया है।
- **PMMSY:** इसका उद्देश्य 20,050 करोड़ रुपए के निवेश के साथ **संधारणीय प्रथाओं के माध्यम से मत्स्य पालन क्षेत्र का विकास करना** है।
- यह योजना मछुआरों तथा मछली किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करते हुए मछली उत्पादन, इंफ्रास्ट्रक्चर और वपिणन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करती है।
- यह योजना मत्स्य विभाग द्वारा वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक पूरे भारत में कार्यान्वयित की जा रही है।

और पढ़ें: [प्रधानमंत्री मत्स्य समपदा योजना](#)